RAJBIL26868/2016/1284525

वर्ष 06, अंक 01

सामाजिक अभिरूचि का पर्याय

जयवर्द्धन

राजसमंद, देश व प्रदेश की लोकप्रिय मासिक पत्रिका

हिन्दी मासिक पत्रिका

नवंबर 2023

लक्ष्मणसिंह राठौड़

पेज संख्या : 28

प्रकाशन तिथि : माह की 1 से 15 तारीख

SHRINATHJI
GROUP OF INSTITUTIONS
Estd.2003
SHRINATHJI GROUP OF INSTITUTIONS
Upali Oden, Nathdwara, Distt. Rajsamand (Raj.)
Contact: 8619823123, 9571345333
happy Diwali
FESTIVAL OF LIGHTS
B.TECH
M.TECH
BBA
MBA
B. Pharma
M. Pharma
D. Pharma
B. Com.
M. Com
B.Sc. Agriculture
www.shrinathjiinstitute.com

जयवर्द्धन

सम्पादक एवं प्रकाश
ललिता राठौड़
निदेशक व उप सम्पादक
लक्ष्मणसिंह राठौड़
वितरण विभाग
सुधीर दवे
कार्यालय पता
C/O जयवर्द्धन न्यूज, नाकोड़ा कॉम्प्लेक्स,
द्वितीय मंजिल, सौ फीट रोड, राजसमंद
मो. 96729-80901

सम्पादक, प्रकाशक एवं स्वामी ललिता राठौड़ द्वारा राजसमंद से प्रकाशित एवं रमेशंचद आचार्य द्वारा आचार्य प्रिंटर्स, हस्तिनापुर, कांकरोली, जिला राजसमंद (राजस्थान) से मुद्रित

नोट : पुस्तक में प्रकाशित सामग्री में यथासंभव सावधानी बरती गई है। फिर भी त्रुटि के ध्यानाकर्षण के लिए धन्यवाद है। पत्रिका में प्रकाशित आलेख में लेखकों के अपने निजी विचार है। किसी भी विवाद के लिए न्याय क्षेत्र राजसमंद होगा।

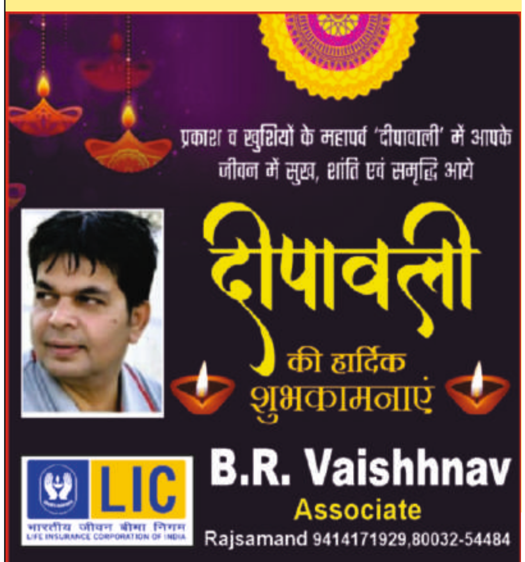

सम्पादकीय

प्रकाश व ज्ञान के स्वागत का अवसर

दीपावली पर्व भारत का सबसे बड़ा और सर्वाधिक महत्वपूर्ण पर्व है। कार्तिक मास की अमावस्या को मनाए जाने वाला यह पर्व आध्यात्मिक रूप से अन्धकार पर प्रकाश की विजय को दर्शाता है। इस पर्व की सार्थकता निम्नानुसार है-

धार्मिक सार्थकता : दीपावली का पर्व हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखता है। इस दिन भगवान श्री राम 14 वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटे थे, तब पूरे अयोध्या नगरी को दीयों से सजाया था और लोगों ने खुशी मनाई थी। इसलिए इस दिन को दीपावली के नाम से जाना जाता है। दीपावली का पर्व भगवान विष्णु की पत्नी तथा उत्सव, धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी की पूजा के लिए भी मनाया जाता है।

आध्यात्मिक सार्थकता : दीपावली का पर्व आध्यात्मिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। यह दिन अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है। अंधकार का अर्थ है अज्ञान, बुराई, और पाप। प्रकाश का अर्थ है ज्ञान, अच्छाई, और पुण्य। दीपावली के दिन हम अपने घरों को दीयों से सजाते हैं। यह प्रतीकात्मक है कि हम अपने जीवन में ज्ञान और अच्छाई का प्रकाश फैलाना चाहते हैं।

सामाजिक सार्थकता : दीपावली का पर्व एक सामाजिक त्योहार भी है। इस दिन लोग एक-दूसरे के घर जाते हैं और मिठाईयां और उपहार बांटते हैं। यह एक ऐसा अवसर है, जब लोग एक-दूसरे के साथ प्रेम और भाईचारे का भाव रखते हैं।

सांस्कृतिक सार्थकता : दीपावली का पर्व भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण अंग है। इस दिन लोग नए कपड़े पहनते हैं, मिठाइयां खाते हैं और आतिशबाजी करते हैं। यह एक ऐसा अवसर है, जब लोग अपने जीवन में खुशियों का स्वागत करते हैं।

दीपावली का पर्व एक सार्वभौमिक त्योहार है, जो सभी धर्मों और संस्कृतियों के लोगों को एकजुट करता है। यह एक ऐसा अवसर है, जब हम सभी अपने जीवन में प्रकाश और ज्ञान का स्वागत कर सकते हैं। लोगों में खुशियों का संचार करता है।

सम्पादक

चारों सीटों पर राजनीतिक दंगल के परिणाम क्या ?

विधानसभा चुनाव को लेकर राजसमंद, नाथद्वारा, कुंभलगढ़ व भीम विधानसभा में भाजपा, कांग्रेस के साथ निर्दलीय प्रत्याशियों की स्थिति स्पष्ट हो चुकी है। नाथद्वारा में डॉ. सीपी जोशी व विश्वराजसिंह मेवाड़ और भीम में सुदर्शनसिंह रावत व हरिसिंह रावत के बीच सीधा मुकाबला है, जबकि राजसमंद में दीप्ति माहेश्वरी व नारायणसिंह भाटी में सीधी टक्कर है, मगर निर्दलीय प्रत्याशी दिनेश बड़ाला वोटों का गणित बिगाड़ सकते हैं, तो कुंभलगढ़ में सुरेन्द्रसिंह राठौड़ व योगेन्द्रसिंह परमार के बीच मुकाबला है, मगर निर्दलीय प्रत्याशी नीरज सिंह राणावत, अनोपसिंह के साथ बीटीपी व बीएपी प्रत्याशी भी परम्परागत वोटों का गणित बिगाड़ेंगे। इस तरह चुनाव चारों ही विधानसभा सीटों पर रोचक हो चला है और हर रोज समीकरण बिगड़ व बन रहे हैं।

राजसमंद : क्या निर्दलीय प्रत्याशी बिगाड़ेगा वोट का गणित ?

भाजपा प्रत्याशी : दीप्ति माहेश्वरी

मजबूत पक्ष : मां किरण माहेश्वरी के कार्य व उनका प्रभाव और ढाई साल जनता के बीच रहकर काम करना। अभी संगठन व कार्यकर्ताओं के साथ चुनाव मैदान में। महिलाओं से खास जुड़ाव का फायदा भी चुनाव में देखने को मिलेगा।

कमजोर पक्ष : राजनीतिक अनुभव कम, कुछ कार्यकर्ता की नाराजगी।

कांग्रेस प्रत्याशी : नारायणसिंह भाटी

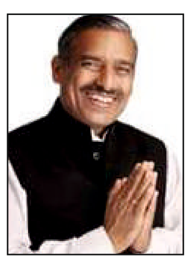

मजबूत पक्ष : पिछली हार, सरकार की योजनाएं और सीपी जोशी का समग्र विकास का वादा। राजसमंद के प्रति सीपी जोशी उदारता। लंबा राजनीतिक अनुभव, पुरानी पेठ व वरिष्ठ कार्यकर्ता का साथ। नाथद्वारा की तर्ज पर विकास के दावे।

कमजोर पक्ष : नियमित सक्रिय नहीं, कार्यकर्ता को तव्वजो न मिलना। पहले बजरी खनन में सहभागिता की नाराजगी।

निर्दलीय प्रत्याशी : दिनेश बड़ाला

मजबूत पक्ष : समाजसेवी की पहचान, किरण माहेश्वरी के वक्त सक्रियता बीजेपी से नाराज महेंद्र कोठारी, गणेश पालीवाल के अलावा नाराज कार्यकर्ता का मिल रहा साथ।

कमजोर पक्ष : राजनीतिक अनुभव कम,

निष्कर्ष : अभी त्रिकोणीय मुकाबला नहीं कह सकते हैं, मगर पारम्परिक वोटों में सेंधमारी से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। इसके चलते परिणाम में अप्रत्याशित बदलाव भी संभव है। इसलिए भाजपा से बगावत होने से बीजेपी के वोट में सर्वाधिक सेंध रहेगी, तो कांग्रेस के वोट में नुकसान से भी इनकार नहीं कर सकते हैं।

नाथद्वारा : दोनों प्रत्याशियों के लिए प्रतिष्ठा का सवाल

भाजपा प्रत्याशी : विश्वराजसिंह मेवाड़

मजबूत पक्ष : महाराणा प्रताप का वंशज होना, मेवाड़ में उनके प्रति सम्मान व संगठन के उच्च नेतृत्व का साथ।

कमजोर पक्ष : राजनीतिक अनुभव नहीं, स्थानीय को मौका न मिलने से कुछ नाराजगी।

कांग्रेस प्रत्याशी : डॉ. सीपी जोशी

मजबूत पक्ष : लंबा राजनीतिक अनुभव, क्षेत्र में करवाए गए विकास कार्य और पार्टी कार्यकर्ता की फौज व उनका साथ।

कमजोर पक्ष : कुछ कार्यकर्ता की नाराजगी व बड़े नेता होने से स्थानीय जुड़ाव कम।

भीम : सीधी टक्कर भी चुनौतीपूर्ण

भाजपा प्रत्याशी : हरिसिंह रावत

मजबूत पक्ष : तीन बार लगातार विधायक रहे। लंबा राजनीतिक अनुभव। क्षेत्र में लगातार सक्रिय बने रहना। हिन्दुत्ववादी नेता की छवि कायम करने का प्रयास।

कमजोर पक्ष : अपने कार्यकाल में बड़ा प्रोजेक्ट न ला पाना। टिकट न मिलने बीजेपी के कार्यकर्ताओं की नाराजगी।

कांग्रेस प्रत्याशी : सुदर्शनसिंह रावत

मजबूत पक्ष : पांच साल तक एक्टिव रहना और क्षेत्र में शहर व गांव ढाणी तक रूटीन के विकास के साथ चम्बल परियोजना को लाना। पार्टी में स्पष्टवादी नेता की छवि से युवाओं का जुड़ाव पार्टी के लिए फायदेमंद। हर कार्यक्रम में भगवा झंडे, हिन्दू समाज के हर पर्व- त्यौहार में सहभागी बनना।

कमजोर पक्ष : पुराने कार्यकर्ताओं की नाराजगी। बीजेपी द्वारा पुजारी की हत्या व कन्हैयालाल हत्याकांड के बाद भीम में उपजे मामले में कांग्रेस को घेरना।

निष्कर्ष : भीम विधानसभा में वैसे मुकाबला तो भाजपा व कांग्रेस में सीधा ही दिख रहा है। सुदर्शन विकास कार्य के दम पर जनता के बीच जा रहे हैं, जबकि हरिसिंह द्वारा कांग्रेस का कुशासन बताकर लोगों का समर्थन हासिल करने के प्रयास में है। फिलहाल वोटर्स मौन है।

कुंभलगढ़ : पारम्परिक वोट में सेंध

भाजपा प्रत्याशी : सुरेन्द्रसिंह राठौड़

मजबूत पक्ष : 4 बार विधायक व लंबा राजनीतिक अनुभव। अच्छे वक्ता, हिन्दुत्व की छाप।

कमजोर पक्ष : बीजेपी के बागी नीरज राणावत व अनोपसिंह के निर्दलीय चुनाव लड़ना। विकास के बड़े प्रोजेक्ट का अभाव।

कांग्रेस प्रत्याशी : योगेन्द्रसिंह परमार

मजबूत पक्ष : युवा चेहरा, हिन्दुत्ववादी नेता की छवि, कांग्रेस की एकजुटता व पिता के कराए विकास कार्य बताने का मौका।

कमजोर पक्ष : कांग्रेस से नाराज नेता के बीजेपी में शामिल होना। पुराने कार्यकर्ता की नाराजगी व मनमुटाव दूर करना चुनौती।

निष्कर्ष : प्रथम दृष्टया बीजेपी व कांग्रेस में प्रत्यक्ष मुकाबला दिख रहा है, मगर बीएपी व बीटीपी ने भी प्रत्याशी खड़े कर आदिवासी समाज के वोट को एक तरफा करने का प्रयास किया है। वहीं निर्दलीय प्रत्याशी नीरजसिंह राणावत की समाजसेवी के रूप में छवि भी वोटों में सेंधमारी करेगी, तो अनोपसिंह भी पारम्परिक वोट में कुछ सेंध कर सकते हैं।

रामराज्य

घर घर दीप जलाएं,
आओ खुशियां मनाएं,
चहूं ओर प्रकाश फेलाएं,
अपने अंतर तम को मिटाएं।
घर घर दीप जलाएं,
आओ खुशियां मनाएं,
विदेशी मोह को त्यागकर,
अब स्वदेशी वस्तुएं ही लाएं।
घर घर दीप जलाएं,
आओ खुशियां मनाएं,
श्री धनवंतरीजी की पूजा कर,
आरोग्य तन का शुभाशीष पाएं।
घर घर दीप जलाएं,
आओ खुशियां मनाएं,
मां लक्ष्मी की कर आराधना,
सुख-समृद्धि का आशीष पाएं।
घर घर दीप जलाएं,
आओ खुशियां मनाएं,
आतंक और अत्याचार का,
अंत करने अब एक हो जाएं।
घर घर दीप जलाएं,
आओ खुशियां मनाएं,
मर्यादा पुरुषोत्तम का संदेश,
ऊंच-नीच का भेद मिटाएं।
घर घर दीप जलाएं,
आओ खुशियां मनाएं,
करना है संकल्प साथियों,
अब विश्व में रामराज्य लाएं।
घर घर दीप जलाएं,
आओ खुशियां मनाएं,
भारत को विश्व गुरु बनाएं,
जय श्री राम, उद्घोष लगाएं।
घर घर दीप जलाएं,
आओ खुशियां मनाएं,
अवधपुरी सजी-धजी है,
भारतवर्ष दिपावली मनाए,
घर घर दीप जलाएं,
आओ खुशियां मनाएं,
गोवर्धन की पूजा करके,
भाईदूज का हम पर्व मनाएं।
घर घर दीप जलाएं,
आओ खुशियां मनाएं,
कहता है प्रीतम आपको,
हम भारतवासी एक हो जाएं।

बख्तावर सिंह चुंडावत प्रीतम
आमेट, राजसमंद
मो.नं.-9413287301

उल्लू दिवाली कहां मनायें ?

उलुकराज की घोषणा पर भारी विरोध शुरू हो गया। हर कोई घोषणा के पीछे राजनीति/उलुकनीति/उलूकराज की और उलुक संविधान के उल्लंघन की बात कर रहा है। ऐसा कभी नहीं हुआ कि उल्लुओं ने दिवाली नहीं मनाई हो। यह उलुक समाज के पारम्परिक रीति रिवाजों के साथ खिलवाड़ है। हम ऐसा कदापि नहीं होने देंगे। हमारी मांगें पूरी हों। हम आमरण अनशन से लेकर जलसमाधि तक का प्रण लेंगे। यह हमारे अधिकारों का हनन है। हम उल्लू हैं, इसका मतलब यह नहीं कि हमको उल्लू की तरह ट्रीट किया जाए। हमारा उल्लुत्व अभी बाकी है। हमसे हमारा उल्लुत्व कोई छीन नहीं सकता। जब गरीब से गरीब तबके का आदमी दिवाली धूमधाम से मना सकता है तो हमारा समाज तो समृद्ध है। हम किसी के मोहताज नहीं हैं, बल्कि सब हमारे मोहताज हैं। अगर लक्ष्मी जी को इधर से उधर न ले जाएं तो सब के सब टापते रह जाएंगे।

उलूक समाज की उग्रता देख व्यापारी वर्ग सहम गया। अब क्या होगा? इस दिवाली पर लक्ष्मी जी कैसे आएंगी? आधे से ज्यादा उल्लू चुनाव में व्यस्त हैं। जो बचे हैं, अगर उन्होंने बहिष्कार कर दिया तो हमारे बहिखातों का क्या होगा? बिना दिवाली के कैसे बदले जाएंगे? लेखा-जोखा कैसे फार्वड किया जाएगा? पिछला हिसाब देखा गया तो? कर चोरी सामने आ जाएगी। इसीलिए नए खातों का होना जरूरी है। व्यापारी वर्ग की चिन्ता वाजिब थी।

इस घोषणा से सरकारी कर्मचारी सबसे ज्यादा नाराज थे। आखिरकार आफिस के उल्लुओं को दिवाली मनाने का अधिकार क्यों छीना जा रहा है? हम कलमबंद हड़ताल करेंगे। दिवाली मनाये या न मनाये, हम काम करें या न करें, उत्पादकाता के आधार पर हो या अनुत्पादका के आधार पर, हमें बोनस मिलना चाहिए। हम दिवाली, दिवाली के लिए नहीं बोनस के लिए मनाते हैं। आनरेरियम तो चुनिन्दा लोगों को मिलता है। बोनस हर कर्मचारी का अधिकार है।

नेताओं को इस घोषणा से कोई फर्क नहीं पड़ा। उनके लिए जीत के बाद हर दिन दिवाली है। एक प्रमुख कारण यह भी है कि दिवाली पर किसी नेता को भाषण देने या अध्यक्षता के लिए नहीं बुलाया जाता है। सभी अपने आप दिवाली की पूजा कर लेते हैं। जिस काम में नेता का सम्मान न हो तो फिर उस काम का होना या न होना उनके लिए कोई मायने नहीं नहीं रखता। वैसे नेता और उल्लू का दिवाली मनाना और न मनाना एक जैसा कर्म है। रइसों की दिवाली और नंगों की होली देखने लायक होती है। रइसों की दिवाली पर नंगों की होली निर्भर करती है। रईस दिवाली मनायेंगे तो नंगा होली मना पाएगा।

दिवाली की इस घोषणा से निचले तबके के कर्मचारियों की साल भर की आस पर पानी फिर गया। साल भर सोचते रहते हैं-दिवाली पर नये कपड़े आएगें। महीने की तनख्वाह में गुजारा हो जाए बस...। सेठ साहब दिवाली पर दिल खोलकर बख्शीश देते हैं। उसी बख्शीश की आस में एक दिवाली से दूसरी दिवाली आती-जाती है। दिवाली आते-जाते जिन्दगी गुजर जाती है। बात बढ़ती जा रही थी। उलुक समाज के साथ-साथ सभी समाज लामबंद होने लगे। दिवाली तो मनेगी। चाहे यहां मने या वहां मने या सब जगह मने।

चाहे कितनी घोषणा हो जाएं। इससे पोलूशन होता है, अस्थमा के रोगी परेशान होते हैं, बच्चों को सांस लेने में तकलीफ होती है। बूढ़ो को खांसी के दौरे पड़ने लगते हैं। अगर दिवाली नहीं मनाई जाएगी तो इन लोगों को आराम होगा। ये दलील अच्छी है, लेकिन पहले व्यवस्था क्यों नहीं की जाती जिससे ऐसी स्थिति आए ही नहीं। पहले से इंतजाम हो जाए तो दिवाली पर कोई परेशान न हो। भला इन लोगों से ही पूछ लो दिवाली मनाये या न मनाये?

हमारे दादाजी ने तो कह दिया-मैं मर जाउं तब दिवाली मत मनाना। जीते जी तो दिवाली मनाउंगा। भला बच्चे कब मना करने लगे? खुशी जाहिर करने के लिए? भला कोई दिवाली क्यों नहीं मनायेगा? बहरहाल घोषणा वापस ले ली गई और जिसको जहां दिवाली मनाना है, मनायें।

बहरहाल .... उल्लुओं ने दिवाली मनाने का भी तय कर लिया। यह दीगर बात है कि उल्लु दिवाली वहीं मनाते हैं, जहां खंडहर होते हैं। जहां नहीं होते वहां पैदा कर दिए जाते हैं। इसलिए तय हुआ कि, इस बार उल्लुओं की दिवाली भारत में नहीं; बल्कि यूक्रेन, और ग़ाज़ापटटी में मनाई जाएगी। उल्लू समाज ने उलुकराज की जय-जयकार की और गाजापटटी की ओर उड़ चले।

सुनील जैन राही
व्यंग्यकार, नई दिल्ली
मो. 9810 960 285

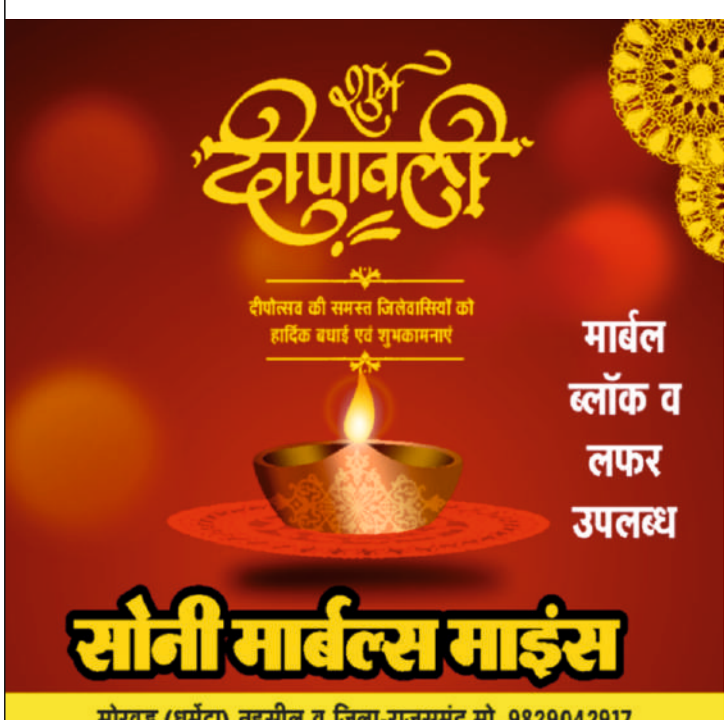

पुष्टिमार्ग का श्रीकृष्ण सेवार्पण

शुभ दीपावली के पंच दिवसीय कार्यक्रमों में सामान्यतः:सर्वत्र श्रीकृष्ण के चरित्र का गायन है। पुष्टिमार्ग की हवेली संगीत अथवा राग में तो सर्वत्र श्रीकृष्ण और उनकी लीलाओं का गान ही है।मेवाड़ की भक्तिधाम के आराध्य श्रीनाथजी हों, द्वारकाधीश हों या विट्ठलनाथ प्रभु-अतीत इन्हीं के सेवार्पण से जुड़ा रहा पुष्टिमार्गीय आचार्यों का भक्ति भाव।दीपमालिका पर्व पर इन पुष्टि भक्तों की सेवा के झिलमिलाते कतिपय दीपों के प्रकाशमान प्रसंगों से सुहृद पाठकों का परिचय प्रासंगिक होगा।

पुष्टिमार्गीय श्रीकृष्ण सेवार्पण का प्रथम दीप

प्रभु चरण श्री गुसाईं जी के द्वितीय पुत्र श्री गोविन्द राय जी 'ऐश्वर्य' सम्पन्न आचार्य थे।सेवा के प्रति अत्यधिक लगाव के अनेक दृष्टांत आपके भगवदीय स्वरूप के परिचायक हैं।उत्थापन में नियम पूर्वक झारी भरने का आपका क्रम रहा।ऐसा कहा जाता है कि आपके विवाह का शुभ मुहूर्त गोधूलि में उत्थापन का समय होने से पू० गुंसाई जी से आज्ञा लेकर विवाह के मुहूर्त में परिवर्तन करा दिया लेकिन ठाकुर जी की सेवा के लिये आपने कोई समझौता नहीं किया।

पुष्टिमार्गीय श्रीकृष्ण सेवार्पण का द्वितीय दीप

श्री गुंसाई जी के चतुर्थ पुत्र श्री गोकुल नाथजी 'यश'गुण से पूरित आचार्य थे।सेवा भावना में आपकी निपुणता एवं प्रभु को नित्य नये लाड़ लड़ाने की तत्परता आपका वैशिष्ट्य रहा। गोपालपुर में आप द्वारा स्थापित बैठक में ऊधो तिवारी आपके परम सेवक थे। ठाकुर जी की सेवा में एक दिन तिवारी जी ने खिचड़ी की रसोई सिद्ध की।श्री गोकुल नाथजी ने उस दिन इसे स्वीकार कर अधिक जल अरोगा।कारण पूछे जाने पर आपने अत्यधिक व्यथित होकर खिचड़ी में नमक अधिक डालने की भूल का स्मरण दिला सेवक को आज्ञा दी कि रसोई सावधानी से करनी और प्रभु को उत्तम सामग्री का भोग धरना।प्रभु की भोग सेवा के प्रति श्री गोकुल नाथजी का यह आदेश उनके परम भगवदीय होने का प्रमाण कहा जा सकता है।

पुष्टिमार्गीय श्रीकृष्ण सेवार्पण का तृतीय दीप

श्री गुंसाई जी के पंचम पुत्र श्री रघुनाथ जी 'श्री'गुण सम्पन्न आचार्य थे।पिताश्री की आज्ञानुसार राम भक्त गोस्वामी तुलसीदास जी को आपने श्री राम के रूप में दर्शन दिये थे।इस कारण आपको रामचंद्र नाम से भी जाना गया।पांच वर्ष की बाल्यावस्था में श्रीनाथजी की सेवार्थ आपको श्रृंगार पेटिका लाने हेतु आज्ञा दी-'आनय मंजूषामा'बालक रघुनाथ जी को तब संस्कृत का इतना ज्ञान न होने से शैया गृह में जाकर उहापोह में पड़ गये।कुछ न सूझने ,पिता की आज्ञा का पालन न कर पाने के दुःख से आप रोने लगे।इससे आपके पितामह महाप्रभु वल्लभाचार्य जी ने प्रकट होकर अपना चबाया पान आपको देकर अपने पिता को देने के लिये कहा।चर्वित पान लेने मात्र से ही रघुनाथ जी को संप्रदाय के समस्त शास्त्र व सिद्धांतों का ज्ञान हो गया।पुनः:जब वे अपने पिता के पास लौटे तो उन्हें संस्कृत में 'नामरत्नाख्य स्तोत्र' का पाठ करते हुए सुनकर

श्रीगुंसाईजी को प्रसन्नता मिश्रित आश्चर्य हुआ।

परन्तु श्रीनाथजी को बहुत अधिक प्रसन्नता नहीं हुई।श्री रघुनाथ जी ने इस अप्रसन्नता का अनुभव कर लिया।प्रभु श्रीनाथजी ने कहा- 'काकाजी !मैं ब्रज को हूं।यातें मोकूं तो ब्रजभाषा ही सुहावे।यातें आप सेवा में ब्रजभाषा ही बोलो।'प्रभु की आज्ञा मानकर रघुनाथ जी ने ब्रजभाषा में अनेक पदों की रचना की और संस्कृत को 'पुरुषोत्तम भाषा'के रूप में प्रतिष्ठित किया।ब्रजभाषा की यह सेवा प्रभु को समर्पित करने का यह अनूठा दृष्टांत है।

पुष्टिमार्गीय श्रीकृष्ण सेवार्पण का चतुर्थ दीप

श्री गुंसाईजी के तृतीय पुत्र श्री बालकृष्ण जी का प्रभु द्वारकाधीश के प्रति असीम अनुराग था।कहां जाता है कि श्री यमुना जी ने बालकृष्ण जी को स्वामिनी रूप में द्वारकाधीश प्रभु के साथ बिराजने की इच्छा प्रकट की।श्री बालकृष्ण जी ने स्वप्न में श्री यमुनाजी द्वारा प्रकट इस कामना के बारे में अपने पिता से चर्चा की तो उन्होंने अपने पुत्र को दो स्वर्ण कंगन देकर कहा कि श्री यमुना जी के किनारे साक्षात् स्वामिनी जी तुम्हें दर्शन देंगी।तब ये कंगन उन्हें पहनाकर प्रभु के पास खंडपाट पर पधरा देना।

गुंजावन में यमुना जल के मध्य अत्यन्त सुन्दर यमुना जी के स्वरूप की प्राप्ति आपको हुई तब दोनों कंगन श्रीहस्त में धारण कराने के बाद वे स्वामिनी स्वरूप को प्रभु समीप ही पधरा लाये।अब से वे श्री द्वारकाधीश प्रभु के साथ ही बालकृष्ण जी द्वारा सेवित होने लगीं।हिन्दुत्व की आस्थाओं के ऐसे दुर्लभ स्वरूपों के संरक्षण की पुष्टि सम्प्रदाय की समृद्ध परंपरा रही है और यह प्रसंग श्री बालकृष्ण जी की इस दृष्टि से सेवानुरागता का श्रेष्ठ उदाहरण है।नेति !

प्रस्तोता :

डॉ. राकेश तैलंग
शिक्षाविद व साहित्यकार
द्वारकाधीश मंदिर मार्ग कांकरोली

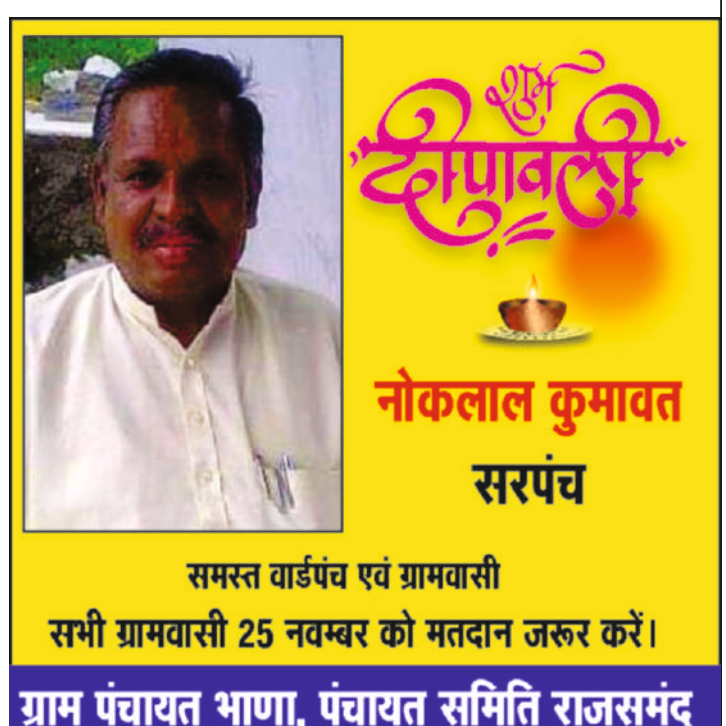

अध्यक्ष : जिला मार्बल कटर एसोसिएशन, राजसमंद

जिला मिनरल्स माईन्स वेलफेयर संस्थान, राजसमंद

दीपोत्सव की समस्त जिलेवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

राजसमंद सहकारी उपभोक्ता थोक

भण्डार लिमिटेड, राजसमंद

उचित दाम | **अच्छी गुणवत्ता** | **शुद्धता की गारंटी**

सदस्यों को 1 फीसदी छूट

जिले में सहकारी दवाघर
आरके जिला अस्पताल, कमला नेहरू अस्पताल,
सिटी डिस्पेंसरी राजनगर, गोवर्धन सामान्य अस्पताल नाथद्वारा
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आमेट, देवगढ़, भीम, कुंभलगढ़, रेलमगरा, खमनोर

पीयूष त्रिपाठी, अध्यक्ष | **आलोक चौधरी-महाप्रबंधक**

समस्त जिलेवासियों को दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं
तनसुख बोहरा
नरेन्द्र बोहरा
वेलकम मार्मो प्रा.लि.-केलवा

दीपावली की शुभकामनाएं
प्रभू श्रीराम आप सभी की मनोकामना पूर्ण करें।
चन्द्रभान सिंह चुंडावत
सरपंच, ग्राम पंचायत जीरण
अध्यक्ष, महाराणा प्रताप सेवा संस्थान देवगढ
जिला अध्यक्ष, श्री राजपूत करनी सेना, राजसमंद
प्रदेश मंत्री, राजस्थान सरपंच संघ
जिला अध्यक्ष, राजसमंद जिला सॉफ्टबॉल संघ
9414655996

दीपावली की समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
शुभ दीपावली
कन्हैयालाल खटीक
राजकुमार खटीक, शांतिलाल खटीक
लाल बाग, नाथद्वारा, जिला राजसमंद मो. 9414343097

vedanta
transforming for good
HINDUSTAN ZINC
Zinc & Silver of India
शुभ
दिवाली
दिवाली हम सभी के जीवन में प्रगति की रोशनी के साथ हमें एकता के मार्ग पर ले जाए, हम सभी के जीवन में समृद्धि, खुशी और उत्तम स्वास्थ्य लाए।
www.facebook.com/HindustanZinc
www.linkedin.com/company/hindustanzinc
www.instagram.com/hindustan_zinc
https://twitter.com/PriyaAH_Vedanta
www.twitter.com/Hindustan_Zinc
www.twitter.com/CEO_HZL
Hindustan Zinc Limited Yashad Bhawan, Udaipur - 313004 Rajasthan, India T: +91 294 6604000-02 | www.hzlindia.com

सच के सिवा कुछ नहीं लिखूंगा

जानता हूं ये सब भूलकर भी अपनी जुबां पर नहीं ला सकता किसी से मन की भावनाएं सांझी करने का अर्थ है खुद को बुद्धू पागल नासमझ जाने क्या क्या कहलवाना। लिखने में कोई परेशानी नहीं क्योंकि इसे कौन पढ़ेगा और अगर पढ़ भी लेगा कोई गलती से भूले भटके तो भी समझेगा ही नहीं। ये दुनिया के लिए बेकार की बकवास है, जिसका हासिल कुछ भी नहीं पर मुझे खुद नहीं समझ आ रहा कि जो लिखना है वो क्या था । कल रात इक जादू की दुनिया को देखा देखता रह गया टीवी पर असंख्य लोग किसी का जन्म दिन मना रहे थे उसकी महिमा उसकी महानता उसकी शोहरत का परचम लहरा रहे थे । विधाता ईश्वर ख़ुदा से बढ़कर उस फ़िल्मी अभिनेता कलाकार अदाकार को बना रहे थे । टीवी पर शो में शामिल लोगों से देखने वाले दर्शक तक सभी प्रेम की गंगा में डुबकी लगा कर मनचाहा वरदान पा रहे थे । जिधर देखो बस इक वही सिर्फ वही नज़र आ रहे थे वो मसीहा बनकर ज्ञान की इक अलग दुनिया दिखला रहे थे कुछ ही पलों में कंगाल व्यक्ति को करोड़पति बना कर दिखा रहे थे । 81 वर्ष में भी करोड़ों की आमदनी कुछ इस तरह से कमा रहे हैं कि सबको दिन में सितारे नज़र आने लगे हैं करिश्मा क्या होता है पहली बार सामने होता देखा हमने राग दरबारी लोग सुन रहे थे गा रहे थे । कुछ उल्टे सीधे सवाल मेरे ज़हन में आने लगे हैं बस आपको अपनी कथा हम सुनाने लगे हैं ।

उस सदी के महानायक ने क्या क्या नहीं कर दिखाया है जिधर देखो उनकी माया का दुनिया भर तक फैला हुआ साया है कितनों को सहारा दिया है क्या क्या सामाजिक कार्य से उनका नाता है भिखारी हैं तमाम बस इक वही दाता है तभी बड़े से बड़ा बिग बी कहलाता है । बस इक सवाल मेरे ख़्याल में आया है कुछ ख़ास है जो उसने हज़ारों करोड़ कमाया है पर कोई नहीं जानता कौन समझता है ये सब कैसे कमाया है । क्या यही हक सच की मेहनत की कमाई है शायद किसी ऊंचे पर्वत के साथ इक विडंबना है साथ साथ इक गहरी खाई है । किसी किसी के पास इतना है कि समाज में अधिकांश की खातिर कुछ भी नहीं बचता है कौन सोचता है दौलतमंदों का गरीबी से कितना ख़ास करीबी रिश्ता है । उसने कितनों को मालामाल किया है कितना कमाल किया है कोई राज़ छुपा हुआ है इस सागर में कितना पानी है किस किस की निशानी है । सागर बड़ा विशाल है खारा उसका पानी है कितनी नदियों की उस पर मेहरबानी है । समाज की बात करते हैं इसी समाज में हर रोज़ लोग जीने की खातिर मरते हैं दो वक़्त रोटी जिनको नहीं नसीब होती है उनकी तकदीर बुरी होती है । आप शाहंशाह कहलाने वाले मुकदर के सिकंदर हैं हम कुछ भी नहीं बापू के तीन बंदर हैं बुरा नहीं देखते बुरा नहीं सुनते बुरा नहीं बोलते हैं बस चुपचाप इक तराज़ू पर रखते हैं और तोलते हैं ।

शायद कुछ को याद आया होगा कल किसी ने इक और लोकनायक का जन्म दिन कुछ अलग ढंग से मनाया होगा । ऐसा भी इक शख़्स धरती पर आया था जिस ने कभी खुद की ख़ातिर नहीं कुछ चाहा था जीवन भर गरीब बेबस शोषित वर्ग की खातिर प्रयास करता रहा समाजवाद का संदेश समझाया था । खुद उस ने कभी नहीं किसी को जतलाया था फिर भी सब जानते हैं उसने इक अलख जलाया था लोकतंत्र की रक्षा का बीड़ा उठाया था तानाशाही को मिटाने का संकल्प उठाया था सत्ता के भ्ष्टाचार पर इक सम्पूर्ण क्रांति की शुरआत की थी । बस इक वही था जिस ने पांच सौ खूंखार डाकुओं का आत्मसमर्पण करवाया था कुछ ख़ास था उस में विरोधी भी जिस का मान करते थे । सत्ता का मोह नहीं ताकत से भय नहीं कुछ पाने की चाहत नहीं जिस ने कितने बड़े पदों को ठुकराया था बड़ी सादगी से जिया कितनी उलझनों से टकराया था जनता के मानस को जिस ने समझा भी और समझाया था कौन करेगा यकीन कोई ऐसा मनुष्य भी देखा था कौन उस से बड़ा दिखाई दिया वो खुद इक लंबी रेखा था । आज इस अंधेरी कोठड़ी में दिखता कोई रौशनदान नहीं है सब बराबर हों जिस में क्यों वो अपना हिंदुस्तान नहीं है , दुष्यंत कुमार नहीं कोई चुप करोड़ों लोग हैं अब किसी शायर की हर ग़ज़ल सल्तनत के नाम इक ब्यान नहीं है ।

हमारे देश ने समाजवादी लोकतान्त्रिक व्यवस्था को अपनाया था जिस में सभी को ज़रूरत का हिस्सा एक समान मिलना प्राथमिकता था , लेकिन कब भटक कर हमने पूंजीवादी व्यवस्था को स्वीकार ही नहीं किया बल्कि उसके गुलाम हो गए हैं । अब जिनके पास धन दौलत का अंबार लगा है वास्तव में उनका हिस्से को झपट लिया है जिनको कुछ भी नहीं मिलता है । ऐसे में ये कोई गौरव की बात नहीं है कि कोई भी किसी को इतना बड़ा साबित करने को इक सार्वजनिक तमाशा बनाए कि उस ने कितना कुछ सामाजिक कार्यों में सहायता देने को बांटा है जब सही में वो बड़े लोग ऐसा भी अन्य लोगों से अपने नाम शोहरत का उपयोग कर मांगते रहते हैं । अक्सर ऐसे कार्यों में उनका आर्थिक योगदान कम होता है और श्रेय अधिक मिलता है। चाहे जितना दान पुण्य कर लें बड़े धनवान लोग उनका ये अपराध कम नहीं हो जाता कि उन्होंने किसी तरह इतना एकत्र कर लिया है कि अधिकांश को पेट भरने को दो वक़्त रोटी नसीब नहीं होती है उनकी बदनसीबी के मुजरिम यही तथाकथित दानवीर लोग हैं।

जयप्रकाश नारायण पर रामधारी सिंह दिनकर की लिखी गई कविता पढ़ते हैं-

झंझा सोई , तूफान रुका ,
प्लावन जा रहा कगारों में ;
जीवित है सबका तेज किन्तु ,
अब भी तेरे हुंकारों में ।

दो दिन पर्वत का मूल हिला ,
फिर उतर सिन्धु का ज्वार गया ,
पर , सौंप देश के हाथों में
वह एक नई तलवार गया ।

'जय हो' भारत के नये खड्ग ;
जय तरुण देश के सेनानी !
जय नई आग ! जय नई ज्योति !
जय नये लक्ष्य के अभियानी !
स्वागत है , आओ , काल-सर्प के
फण पर चढ़ चलने वाले !

स्वागत है , आओ , हवनकुण्ड में
कूद स्वयं बलने वाले !
मुट्ठी में लिये भविष्य देश का ,
वाणी में हुंकार लिये ,
मन से उतार कर हाथों में
निज स्वप्नों का संसार लिये ।

सेनानी ! करो प्रयाण अभय ,
भावी इतिहास तुम्हारा है ;
ये नखत अमा के बुझते हैं ,
सारा आकाश तुम्हारा है ।

जो कुछ था निर्गुण , निराकार ,
तुम उस द्युति के आकार हुए ,
पी कर जो आग पचा डाली ,
तुम स्वयं एक अंगार हुए ।

साँसों का पाकर वेग देश की
हवा तवी-सी जाती है ,
गंगा के पानी में देखो ,
परछाईं आग लगाती है ।

विप्लव ने उगला तुम्हें , महामणि
उगले ज्यों नागिन कोई ;
माता ने पाया तुम्हें यथा
मणि पाये बड़भागिन कोई ।

लौटे तुम रूपक बन स्वदेश की
आग भरी कुरबानी का ,
अब 'जयप्रकाश' है नाम देश की
आतुर , हठी जवानी का ।

कहते हैं उसको 'जयप्रकाश'
जो नहीं मरण से डरता है ,
ज्वाला को बुझते देख , कुण्ड में
स्वयं कूद जो पड़ता है ।

है 'जयप्रकाश' वह जो न कभी
सीमित रह सकता घेरे में ,
अपनी मशाल जो जला
बाँटता फिरता ज्योति अँधेरे में ।

है 'जयप्रकाश' वह जो कि पंगु का
चरण , मूक की भाषा है ,
है 'जयप्रकाश' वह टिकी हुई
जिस पर स्वदेश की आशा है ।

हाँ, 'जयप्रकाश' है नाम समय की
करवट का, अँगड़ाई का ;
भूचाल, बवण्डर के ख्वाबों से
भरी हुई तरुणाई का ।

है 'जयप्रकाश' वह नाम जिसे
इतिहास समादर देता है ,
बढ़ कर जिसके पद-चिह्नों को
उर पर अंकित कर लेता है ।

ज्ञानी करते जिसको प्रणाम ,
बलिदानी प्राण चढ़ाते हैं ,
वाणी की अंग बढ़ाने को
गायक जिसका गुण गाते हैं ।

आते ही जिसका ध्यान ,
दीप्त हो प्रतिभा पंख लगाती है ,
कल्पना ज्वार से उद्वेलित
मानस-तट पर थर्राती है ।

वह सुनो , भविष्य पुकार रहा ,
' वह दलित देश का त्राता है ,
स्वप्नों का दृष्टा 'जयप्रकाश'
भारत का भाग्य-विधाता है ।'

डॉ. लोक नाथ सेतिया
एससीऍफ़ 30, मॉडल टाउन
फतेहाबाद, (हरियाणा) 125050
मोबाइल - 9416792330

सनसाइन इंस्टीट्यूट ऑफ आईटी
www.rkcl.in
राजस्थान सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RS-CIT
CSC ACADEMY Computer Course
सरकारी नौकरी के लिए आवश्यक कम्प्यूटर कोर्स
Rajasthan Knowledge Corporation Limited
डिजिटल राजस्थान,समृद्ध राजस्थान
RS-CIT लाखों लोगों का आजमाया हुआ एक परिपूर्ण कम्प्यूटर कोर्स
एक परिपूर्ण कम्प्यूटर कोर्स
ICICI बैंक के पास, पुराना बस स्टैंड, केलवा, जिला राजसमंद 96498-13798, 79767-52935

पलभर को क्यों प्यार किया

सांस में आरोह, अवरोह उर में
ज्वलित चितवन, मलार सुर में
सम हर, रच अभिनव संसार
अजर ज्वार का श्रृंगार किया
पल भर को क्यों प्यार किया !

लय छंदों में जग बंध जाता
सित मोती का रेणु उड़ाता
चकित, कुछ कह भी नहीं पाया
चिर विरह स्वीकार किया
पलभर को क्यों प्यार किया !

लघु तृण से, तारों तक बिखरा
मुक्त मलय संग, सारंग निखरा
चिर मुक्त तुम्हीं ने जीवन का
मधु जीवन का आकार दिया
पल भर को क्यों प्यार किया !

तम सागर में अनजान बहा
पुलक पुलक, अचिर प्यार सहा
जब सपनों का लोक मिटाना था
उर का उर से, व्यापार किया
पल भर को क्यों प्यार किया !

वह पल अजर हुआ है आप
वह नेह मुझे रहा है नाप
चाहे रच लो नव इतिहास
चिर आसव से उद्धार किया
पल भर को क्यों प्यार किया !

डॉ. वीरेन्द्र प्रसाद
पटना, बिहार

दक्षता

है विशाल दक्षता मानव में गर
जो चाहे वह ही बन जाए
भाग्य जगे संभल बने नर
मन का तिमिर भी मिट जाए

अनमित अगुणित कर्म शीलता
और विश्वास जहां है
तुम जानो संतुलित समन्वित
जीवन का आवास वहां है

कर्मशील इस मानव युग में
निश्चित ही सुख भोगा करते
दुर्बल निर्बल दीन हीन के
रोने में युग बीता करते नहीं

निशस्त्रों पर जो वार करे
वह वीर नहीं कहलाता है
हथियारों को लेकर बल से
वार करे कायर कहलाता है

जरा जरा सी बात पर देखो
मारकाट करने वालों
प्रेम सरोवर में प्राणों का
मूल्यांकन करने वालों

उजले हृदय से निकली
मुस्कान कपटता से बढ़कर है
जिनके हाथों संसार पराजित
वश में हो जाता परमेश्वर है

यही सत्य है सच हमेशा
अविचर एवं स्थिर खड़ा
है मानव क्यूं विषमय विषयों की
धारा में तू अविरल बहा

जाग रहा है कर्म देश में
श्रम गीत का बोल उठा
कृतित्व उभराया फिर से
दक्षता से हुनर जगा

उठो बढ चलो ज्योतिमार्ग पर
सफलता है पुकारती
प्राणों के निर्मल सुमनों से
एक बार फिर सजे आरती

शंखनाद के आह्लाद से
स्वर पुनः गुंजित कर दो
प्राण निछावर मातृभूमि पर
पुण्य धरा अनु रंजीत कर दो

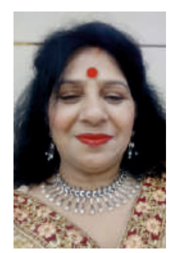

डॉ. अलका अरोडा
देहरादून

वायरल होने का सुख

जब से पब्जी खेलने वाले सचिन के जीवन में सीमा पार कर सीमा का पदार्पण हुआ, तब से आनलाइन गेम के प्रति पोपट चचा की आस्था बढ़ गई। मीडिया से मंडी तक सीमा और सचिन तथा उनके चार रेडीमेड छोटे पब्जी की ही चर्चा थी। सीमा के पाकिस्तान से पलायन पर कोई छाती तो कोई ताली पीट रहा था।

बिना लुगाई के बयालीस बसंत झेल चुके पोपट चचा को भी प्रियतमा के साथ वायरल होने का बड़ा शौक था। रील्स, मीम्स आदि बनाकर थक चुके थे, किंतु अभी तक वायरल नहीं हो पाए थे और ना ही कोई सीमा या विग्नेश्वरी सरहद पार कर पोपट के हृदय और हाउस में प्रवेश कर पाई थी। एक दिन जब उन्हें मीडिया से पता चला कि ऑनलाइन गेम्स से वायरल होने और प्रियतमा पाने का सुख सुख प्राप्त किया जा सकता है, तो उनका आत्मविश्वास उफान मारने लगा। हिम्मत- ए- मर्दा त मदद- ए-खुदा।

एक दिन टीवी पर उनके फेवरेट एक्टर रितिक रोशन द्वारा जंगली रम्मी और कामेडियन कपिल शर्मा जुपी गेम का महिमा मंडन करते हुए बता रहे थे कि किस प्रकार रोड़पति फलानां प्रसाद गेम खेल कर करोड़पति बन गया। फिर क्या पोपट चचा को पूर्ण विश्वास हो गया कि कृपा कहां रुकी हुई है। उन्हें इस निर्मल ज्ञान की प्राप्ति हो गई कि गेम ही उनका गम दूर कर सकता है। ऑनलाइन गेम खेलने से ही उन्हें पति एवं करोड़पति बनने का संयुक्त सौभाग्य प्राप्त होगा।

गेम की अहमियत का अहसास होते ही चचा ने कैंडी क्रश सागा, पब्जी, रमी सर्किल सहित हर तरह का ऑनलाइन गेम मोबाइल पर डाउनलोड कर खेलना शुरू कर दिया। आशावादी लौटन चचा को उम्मीद थी कि पाकिस्तान ना सही बांग्लादेश, साउथ अफ्रीका अथवा होनोलुलू से कोई ना कोई उनके लिए भी आएगी ही और एक दिन वो भी कुंवारेपन की बाधा से मुक्ति पा ही लेंगे। चचा हर हाल में सीमा-सचिन की तरह वायरल होना चाहते थे। आशावादी पोपट चचा ने 'आज हम नहयलै बारु शैम्पू से आवत होईह राजा हम्मर टेम्पु से' को रिंगटोन से कॉलर ट्यून तक सेट भी कर लिया।

घर, समाज, समारोह की बजाय पोपट सदैव अपने साढ़े पांच इंच वाले मोबाइल पर ऑनलाइन उपलब्ध रहता था। डाटा पैक का सारा डेटा और चचा के अकाउंट का पैसा दोनों ही ऑनलाइन गेम चूसने लगा। अब तक चचा को सचिन वाली सफलता नहीं मिल पा रही थी। चचा के वायरल होने की इच्छा धीरे-धीरे दम तोड़ रही थी कि एक दिन गेम खेलने के दरम्यान ऑनलाइन महिला पार्टनर ने चचा से व्हाट्स एप नम्बर मांगते हुए वीडियो कॉल करने की इच्छा जाहिर की। पोपट चचा को तो मानो मन की मुराद मिल गई।

दीपावली की हार्दिक
बधाई एवं शुभकामनाएं

Kanahalya Lal Tak
9571290408, 9214440558

Manish Tak
9214440557, 8003237980

पानी टैंकर, रेती, पत्थर, गिट्टी, क्रेशर गिट्टी, सीमेंट
ईंटें व भराव एवं सभी प्रकार के बिल्डिंग मेटेरियल के लिए संपर्क करें
Civil Contractor PWD MCR Rajsamand

• गौराजी कालाजी कंस्ट्रक्शन • श्री तुलसी ट्रेडर्स तुलसी विहार 100 फीट रोड राजसमंद

देवी-देवता, पितर, गेम गुरु सचिन-सीमा, कपिल शर्मा, रितिक रोशन का मन ही मन आभार प्रकट करने लगे। लौटन का दिल लूटने वाली और उसे सेलिब्रिटी की तरह वायरल करने वाली सीमा जल्द ही उसके सीमा क्षेत्र में प्रवेश करने वाली है। इस सोच से रोमांचित होते हुए तत्क्षण ही अपना व्हाट्सएप नंबर शेयर कर दिया।

पोपट चचा ने नंबर शेयर किया ही था कि मोबाइल के डिस्प्ले पर ऑनलाइन वीडियो कॉलिंग आने लगी। नई महिला मित्र से गुफ्तगू करने की फिराक में बिना वक्त गंवाए कॉल रिसीव कर लिया। दूसरी ओर से विदेशी युवती का चेहरा देख पोपट का चेहरा खिल उठा। बिना वक्त गंवाए पोपट टूटी-फूटी आंग्ल भाषा में पूछ बैठा - हाय आई एम पोपट द फुल बैचलर, विल यू मैरी मी... कैन यू कम टू इंडिया फोर मी. दूसरी ओर से सिर्फ या-या की आवाज आ रही थी।

थोड़ी देर की बातचीत के बाद ही पोपट की सीमा हर सीमा को पार करते हुए अर्द्धनग्न अवस्था में गरमा-गरम बातों के साथ शुरू हो गई। चचा कुछ समझ पाते इससे पहले ही ऑनलाइन महिला ने बचे-खुचे कपड़े भी उतार दिए। गरम जोशी अथवा नई दोस्ती की जोश में पोपट खुद को संयमित ना रख पाया और उसने भी कपड़े उतारना शुरू कर दिया।

ऑनलाइन दोस्ती मिलन कार्यक्रम की समाप्ति के पश्चात पोपट को अब इंतजार था तो बस अपनी सीमा के आगमन का। अगले दिन पोपट को अज्ञात नम्बर से व्हाट्स एप पर अकाउंट नम्बर के साथ एक लाख रुपए की डिमांड वाला एक मैसेज प्राप्त हुआ। चचा को ऐसा लगा कि कोई फिरकी ले रहा है या चंदा मांगने वाला कोई संस्था अपनी औकात से बाहर की डिमांड कर रहा है। चचा ने मैसेज को इग्नोर करना ही उचित समझा। वैसे भी चचा के पास एक लाख रुपए तो दूर अगले माह मोबाइल रिचार्ज करवाने के लिए 249 रुपए के भी बांदे थे। अपनी सीमा की असीम यादों में डुबकी लगा रहा पोपट बार-बार आ रहे मैसेज को इग्नोर करने लगा।

एक सप्ताह बाद पोपट का पड़ोसी डगरू हड़बड़ाते हुए हुए उसके घर के बाहर से आवाज देकर चिल्लाने लगा- अरे चचा गज्जब हो गया...। क्या हमारी सीमा हद और सरहद पार कर चली आई अंदर से चचा की उत्सुकता भरी आवाज आई।

अरे आप तो वायरल हो गए... डगरू चिल्लाया। इतना सुन खुशी के मारे पोपट बिना लुंगी बांधे बनियान और जांघिया में ही बाहर निकल आया।

बिना पुरी बात सुने डगरू को गले से चिपकाते हुए बोले- अरे वाह ! आखिर ईश्वर ने मेरी सुन ही ली। यह सुनने को मेरे कान तरस गए थे कि मैं भी सेलिब्रिटी की तरह वायरल होऊं...।

अरे चचा पहले यह तो देखो कहते हुए डगरू ने मोबाइल पर एक वीडियो दिखाया। वीडियो देखते ही पोपट के चेहरे की खुशी फुर्र हो गई। हाथ-पांव फूलने लगा। तेज हवा के बावजूद चेहरे पर पसीना की बूंदें उभर आई।

मोबाइल में चचा और उनकी तथाकथित सीमा की ऑनलाइन वीडियो वार्ता का क्लिप था। चचा को समझते देर न लगी कि वह हनी ट्रैप का शिकार हो चुके हैं।

चचा की सीमा, सचिन की सीमा से ज्यादा शुभ, होनहार और गुणवान निकली। सीमा पार की सीमा के शुभागमन से सचिन राष्ट्रीय स्तर पर ही चर्चित हुआ था, किंतु पोपट की सीमा ने पोपट का पोपट बना उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वायरल कर दिया।

विनोद कुमार विक्की
महेशखूंट, खगड़िया बिहार
मो. 776595 4969

MGA
Wish You A Very Happy Diwali
MARBLE GANGSAW ASSOCIATION RAJSAMAND
Ravi Sharma-President Sanjay Samsukha-Gen. Secretary
Mob. 9414174601 Mob. 9414174247
Rajnish Vagracha, Treasurer-Mob. 9414174267
Vice President
Goverdhan Laddha, Pasoond Road
Pushkar Shrimali, Nathdwara Road
Lalit Bohra, Amet Road
Regd. Off.-SPL-1, Road No. 2, RIICO Ind. Area, Dhoinda
Distt. Rajsamand (Raj.) Mob. 9549654601-4
E-mail mgarajsamand@gmail.com, website : www.mgarajsamand.com

राजसमन्द मिला नहीं

मैंने बस से उतर कर टेंपो वाले से कहा,
राजसमंद चलो तो वह हिला नहीं,
उसने कहा बाबूजी 30- 32 साल से मैं भी ढूंढ रहा हूं,
पर मुझे आज तक राजसमंद मिला नहीं।

मैंने बार-बार कहां भाई राजसमंद चलो
फिर भी वह खड़ा रहा,
उसने कहा धोइन्दा, कांकरोली या राजनगर
सही नाम बताओ वह अड़ा रहा।

मेरा बार-बार राजसमंद राजसमंद
कहना उसे खटक गया घुमा फिरा कर मुझे
राजसमंद झील के किनारे पटक गया।

अपनी एक दो सड़कों के दम पर आज भी
राजसमंद कराह रहा है,
परंतु इसके पास का ही एक शहर अपने
विकास पर मंद मंद मुस्कुरा रहा है।

वैसे तो यहां जेके टायर मार्बल ग्रेनाइट के
स्लैब फेल्सपार का चूरा है,
परंतु झील जब तक नहीं भरेगी, तब तक
इसका विकास अधूरा है।

विकास के राह की बाधाएं, आये हुए
अवरोध सब हिल जाए,
राजसमंद ब्रॉडगेज के माध्यम से किसी
बड़े स्टेशन से मिल जाए।

शिक्षा में यह आगे बढ़े, लोगों को
हर तरह का नॉलेज हो,

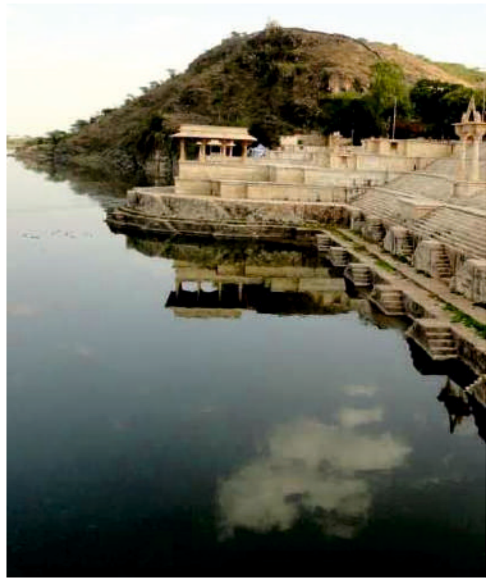

हां राजसमंद में भी एक सरकारी
मेडिकल कॉलेज हो।

फिर से सम्मान मिले इस मेवाड़ी माटी को
दुनिया देखे जैसी बना दो इस हल्दीघाटी को।

पर्यटन के नक्शे पर राजसमंद की
दिशा और दशा भली हो,
भारत देश का तीर्थ स्थल राणा प्रताप
की जन्म स्थली हो।

शहर के संस्थापक राणा राज सिंह जी
को सम्मान मिल जाए,
किसी चौराहे पर अश्वारूढ़ मूर्ति को
गरिमा मय सम्मान मिल जाए।

राजसमंद शहर शीतल सुरम्य शान्त है,
यहां नहीं कोई शोर है,
जिलों का अर्धशतक लगा परन्तु,
राजसमंद जैसा नहीं कोई और है।

राम गोपाल आचार्य

पीपली आचार्यान, 9929215040

कविता

मेरा मत मेरा अधिकार

लोकतंत्र के मंदिर में
मतदान मुख्य आधार
जागो जनता जनार्दन
मेरा मत मेरा अधिकार।

वोट देना और वोट दिलाना
कर्तव्य संग अपना अधिकार
देकर वोट सही समय पर
राष्ट्र सेवा के बने हकदार।

आता अवसर पांच बरस में
देखो सिर्फ एक बार
गये चुक तो यह हैं भारी चुक
पड़े पछताना हमें बारंबार।

सोचो विचारों करो चिंतन
करते हम सारे निज काज
फिर पीछे क्यों रहे अब
हम इस पुण्य राजकाज।

कैसे करना क्या करना समझो
साथ लेकर जाना बीएलओ पर्ची
लगना लाइन में अपने बूथ पर
आने जाने में ना लगे खर्ची।

एक बात और सुनो मेरी
देकर वोट देना पूरा ध्यान
सात सेकंड सामने रहेगी पर्ची
किसको किया आपने मतदान।

बीप की आवाज से पहले
बाहर नहीं आपको आना
बज गई बीप तो समझो
हो गया वोट सोलह आना।

राज समझावे समाज समझावे
अरज करे नारायण निराकार
समझो भैया बहन मात-पिता
मेरा मत मेरा अधिकार।।

नारायणसिंह राव 'निराकार'
साहित्यकार, संपादक
साकेत साहित्य संस्थान, राजसमंद

ALOK SANSTHAN
भारतीय विश्व विद्या प्रतिष्ठानम्
A Truly Indian International School

ALOK SCHOOL RAJSAMAND
A Truly Indian International School
Affiliated to CBSE 10+2(1730193)

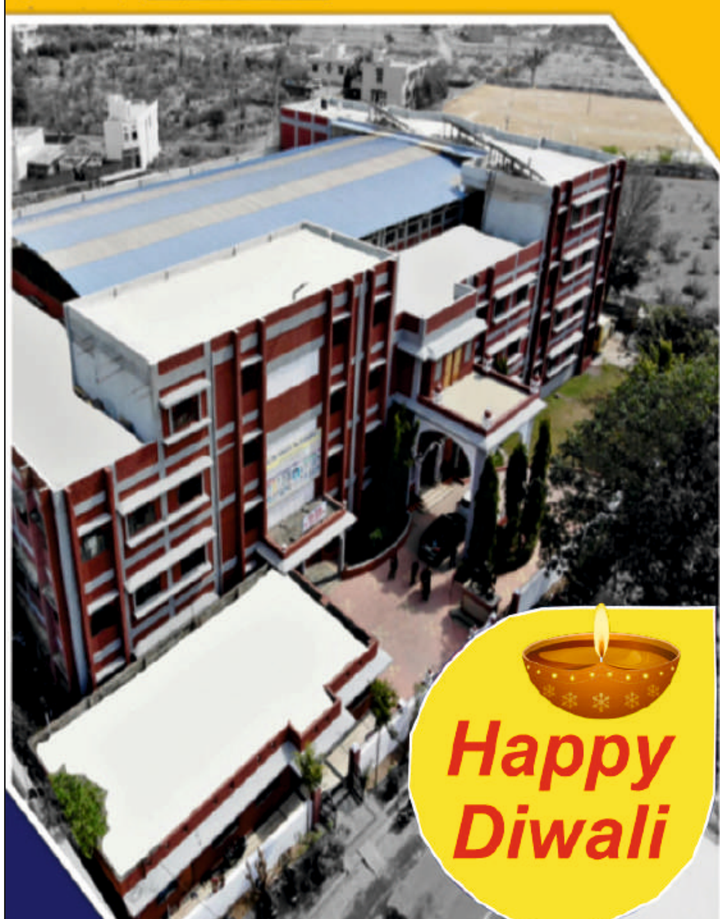

New Shiv Nagar Colony, Jawad Bye-Pass Road, Rajsamand (Raj.)
Ph. 02952-224225 Mob. 9414232523
E-Mail : alokrajsamand@alokschool.org

CONTINUING ITS LEGACY OF EXCELLENCE IN ACADEMIC, VALUES, SPORTS, MUSIC AND TECHNOLOGY SINCE 1967

Admission to Class XI in
SCIENCE / COMMERCE / ARTS

संस्कृत संस्कृति संस्कार के समन्वय का पहला संस्थान जहाँ पहली बार
- कक्षा केजी से संस्कृत
- रामायण, महाभारत, गीता,पंचतंत्र पाठ्यक्रम में सम्मिलित
- कठपुतलियों (Puppets) से भी शिक्षण अधिगम
- सप्ताह में तीन दिवस भारतीय खेल
- प्रत्येक गुरुवार को संस्कृत संभाषण दिवस
- भारतीय परम्पराएँ व जीवन मूल्यों का कहानियों से संप्रेषण

25% Admissions through RTE

सांस्कृतिक नेतृत्व के पुरोधा गोस्वामी बृजेशकुमार महाराज

कांकरोली नगर के एक और महानायक गोस्वामी स्व. बृजेशकुमार महाराज का वर्ष 2023 में अचानक हम सबको छोड़कर चले जाने का दुःखद रहा, जो राजसमंद के लिए अपूरणीय क्षति है। बृजेशकुमार महाराज एक सहृदय उदार प्रवृति के व्यक्तित्व थे।

मुझे आज याद आ रहा है, आज से लगभग 45-50 साल पहले का आसोटिया ग्राउण्ड का क्रिकेट मैच हो रहा था, जिसमें कांकरोली की टीम में में खुद, मन्नु भाई, बाबूभाई, सोहनजी , किशनजी, आदि के साथ खेल रहे थे, तब वे महाराज नहीं थे, उस वक्त उनके पिता स्व. बृजभुषणजी महाराज थे। पर श्री बृजेशकुमार जी मैच देखने आए और जब मैंने अपनी पहली और आखरी फिफ्टी पूरी की, तो मैच के बाद उन्होंने मुझे हजारीलाल जी दाजी के द्वारा मंगवाकर एक लड्डु प्रसाद के तौर पर ईनाम दिया और जब वे महाराज बनकर आसीन हुए तो उन्होंने मुझे उनके द्वारा प्रारम्भ किए शिक्षक सम्मान समारोह में अच्छे शिक्षक का सम्मान दिया। कांकरोली के ऐसे महानायक के बारे में मैं जानकारी लेने जब डॉ. राकेश तैलंग से मिला तो उन्होंने वल्लभ सम्प्रदाय के अनमोल रत्न स्व. श्री बृजेश कुमार के बारे में बहुत सी बातें बताई, जिसमें उन्हीं की लेखनी में ज्यों का त्यों यहां मेरा गांव मेरे लोग के कॉलम में प्रस्तुत कर रहा हूं।

शुद्धाद्वैत तृतीय पीठ के पीठाधीश्वर गोस्वामी ब्रजेशकुमार महाराज का अवसान कांकरोली नगर के लिए अपूरणीय क्षति है। इस प्रसंग पर हार्दिक श्रद्धांजलि सहित विद्यानुरागी उत्कृष्ट मेघासम्पन्न व्यक्तित्व पूज्यपाद के सम्प्रदाय, सामाजिक व सांस्कृतिक जगत् को अवदान की विनम्र प्रस्तुति यहीं सामयिक होगी। गोस्वामी ब्रजेशकुमारजी महाराज का जन्म पौष शुक्ला 10 सम्वत् 1996 वि. तदनुसार 20 जनवरी, 1940 ई. को कांकरोली में हुआ। वेदान्ताचार्य साहित्याचार्य पुष्टिमार्गीय सिद्धान्त परीक्षा सहित आधुनिक शिक्षा सम्पन्न गोस्वामी ब्रजेशकुमारजी का व्यक्तित्व बहुआयामी रहा। आपनी में प्रशासनिक कुशलता, विद्या व्यसन एवं मानवीय संवेदना का अद्भुत संगम था। पितृचरण की तरह आप भी कृपालु, संवेदनशील, कलाप्रिय, अभिजात रुचि तथा विद्वान आचार्य थे। आप जितने सरल, सहज और सरस ऊपर से थे, अन्दर से उतने ही गंभीर और प्रौढ़ विचारों से सम्पन्न थे। प्रशासनिक प्रबन्धन की अकूत क्षमता आप में थी।

आपका स्नेह, सहानुभूति, सरलता, सहजता, सौहार्द, संवेदनशीलता, शील, शिष्टाचार, सौम्य स्वभाव, धार्मिक आचरण अनुकरणीय रहा। आपने इन्हीं विशेषताओं के द्वारा तृतीय पीठ को विश्व के मानचित्र पर अंकित कर गौरवान्वित किया। आपका निर्देशन निरन्तर प्राप्त होता रहा, यह पुष्टि जगत् के लिए गौरव का विषय है। प्रभु की समर्पित भाव से तल्लीनतापूर्वक सेवा, विभिन्न शास्त्रों का गहन अध्ययन, विद्वत् समाज में श्रेष्ठता, उदारता, मुख मण्डल पर सदैव मुस्कुराहट आदि

जयवर्द्धन NEWS
राजसमंद जिले की ताजा खबरों के लिए देखिए
YouTube Channel Jaivardhan News

आपके व्यक्तित्व की विशेषताओं ने आपको जन-जन का हृदय सम्राट बना दिया। इन्हीं प्रभु-प्रदत्त गुणों के कारण आप सम्पूर्ण वल्लभकूल में आदर एवं श्रद्धा के पात्र रहे। आपश्री में प्रशासनिक कौशल, समुचित प्रबन्ध व विवेकयुक्त व्यवस्थापन की सूझबूझ, वेदों, पुराणों एवं अन्य धार्मिक ग्रन्थों का गहन अध्ययन, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में रुचि, भवन निर्माण कला की मर्मज्ञता, ललित कलाओं में निपुणता आदि विशेषताओं का अदभुत संगम था, जो एक वरिष्ठ आचार्य के लिए परम आवश्यक गुण है।

गोस्वामी श्री ब्रजेशकुमार महाराज के कार्यकाल में अनेक निर्माण कार्य, धार्मिक, सांस्कृतिक जगत के उल्लेखनीय प्रकल्पों सहित प्राचीन सांस्कृतिक धरोहरों के जीर्णोद्धार हुए, जो आपश्री को एक उच्च कोटि के नेतृत्वशील आचार्य व प्रबन्धक के रूप में स्थापित करता है। श्री द्वारकाधीश मन्दिर, संबद्ध गौशाला और विट्ठल विलास बाग जैसे सामाजिक संबद्धता के स्थलों का उद्धार करा धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में राजसमन्द कांकरोली को प्रतिष्ठित किया। समस्त भारत वर्ष के कांकरोली पीठ से सम्बद्ध मन्दिरों की शृंखला के नवीनीकरण से हमारा नगर सम्पूर्ण भारतवर्ष में विशेष पहचान बना पाया।

प्रशासनिक सुधार की दिशा में कांकरोली नगर आपको निम्नांकित अवदान हेतु सदैव स्मरण रखेगा :-

1. विभिन्न कर्मचारियों के पद सृजित कर नव नियुक्तियाँ दी गई।
2. कर्मचारियों के वेतन एवं वेतन-श्रंखला का निर्धारण।
3. सेवा नियम एवं सेवा शर्तें बनवाई गई।
4. बैण्ड व बैण्ड वादकों का गठन।
5. कांकरोली, मथुरा एवं बड़ौदा के मन्दिरों में महाप्रसाद के लिए देशी घी की व्यवस्था करवाई।

शैक्षिक क्षेत्र के विकास हेतु पूज्यपाद महाराज ने अनेक नवचिन्तन परक कार्य कराए यथा :-

1. तृतीयपीठ की ओर से माध्यमिक विद्यालय का संचालन।
2. राजसमन्द के 12 श्रेष्ठ शिक्षकों को प्रतिवर्ष शिक्षक दिवस पर सम्मानित करवाना।
3. शिक्षक सदन निर्माण हेतु एक लाख रुपये का अनुदान।
4. अनेक संस्थाओं को सहायता एवं सहयोग प्रदान किया गया।

गोस्वामी श्री ब्रजेशकुमार महाराज स्वयं एक गहन विचारक व शास्त्रज्ञ थे, जिनके साहित्य सृजन का मौलिक कार्य क्षेत्र था। इस दृष्टि से उनकी देन को निम्नांकित बिन्दुओं में समझा जा सकता है:-

1. साधन दीपिका रश्मि व्याख्या (संस्कृत)
2. भक्तिरत्न का भावानुवाद एवं विश्लेषण (हिन्दी)
3. भक्तियोग (श्री मद्भागवत के अनुसार पुष्टिमार्गीय दृष्टिकोण से भक्तियोग का विश्लेषण)
4. द्वारकेश अष्टकम्
5. श्री कल्याणराय अष्टकम्
6. श्री पंच चाभराष्टकम
7. श्री श्रीनाथ विज्ञप्त्यष्टकम्
8. अथाष्टपदी (संस्कृत) फूलबाग
9. श्री अष्टपदी (वसन्त राग में, संस्कृत)
10. श्री चरणाष्टकम् (संस्कृत) आदि।

आप द्वारा लिखित अनेक निबन्ध एवं दिये गये प्रवचनों के कैसेट्स वैष्णव समाज में काफी लोकप्रिय हैं।

– वल्लभ विद्यापीठ (वाक्पति फाउण्डेशन) की स्थापना :
आप द्वारा शैक्षिक व धार्मिक संस्कारों के जागरण हेतु श्री वल्लभ विद्यापीठ की स्थापना (बड़ौदा में) की गई, जिसके अन्तर्गत श्री वल्लभाचार्य ओपन यूनिवर्सिटी की स्थापना हुई। इस विश्वविद्यालय के आपश्री कुलाधिपति रहे। कांकरोली नगर की सांस्कृतिक चेतना के ऐसे पुरोधा को हम सदैव कृतज्ञतापूर्वक स्मरण रखेंगे।

अफजल खां अफ़ज़ल
वरिष्ठ साहित्यकार
जलचक्की, कांकरोली
मो. 98284-75288

आवश्यकता
मार्केटिंग और रिपोर्टिंग के लिए
पार्टटाइम/फुल टाइम ऊर्जावान युवकों की
जयवर्द्धन मासिक पत्रिका : संपर्क 9672980901

शुभ
दीपावली
धमेन्द्र औदिच्य, ऋषभ औदिच्य
ब्लेक स्टोन मिनरल 47, मैन रोड, सविना, उदयपुर

सनसाइन इंस्टीट्यूट ऑफ आईटी
www.rkcl.in
राजस्थान सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RS-CIT
डिजिटल राजस्थान,समृद्ध राजस्थान
CSC
ACADEMY
Computer Course
सरकारी नौकरी के लिए
आवश्यक कम्प्यूटर कोर्स
Rajasthan Knowledge Corporation Limited
RS-CIT लाखों लोगों का आजमाया हुआ एक परिपूर्ण कम्प्यूटर कोर्स
एक परिपूर्ण कम्प्यूटर कोर्स
ICICI बैंक के पास, पुराना बस स्टैंड, केलवा, जिला राजसमंद 96498-13798, 79767-52935

दीपोत्सव की समस्त जिलेवासियों
को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
अरविन्दसिंह राठौड़
प्रधान
पंचायत समिति, राजसमंद
समस्त सरपंच एवं समस्त पंचायत समिति सदस्य, राजसमंद

दीपोत्सव जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
SHREEBALAJI
बंशीलाल कुमावत
HAPPY Diwali
मुकेश कुमावत
श्री बालाजी मार्बल, निर्झरना, जिला-राजसमंद

दीपों के महापर्व
दीपावली
की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं.
अशोक रांका
राजसमंद भाजपा जिला उपाध्यक्ष
/theashokranka

शुभ दीपावली
पूरणसिंह शेखावत
संवेदक, सार्वजनिक निर्माण विभाग व नगरपरिषद राजसमंद

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती कृष्णा कुंवर
सरपंच
रामलाल तेली
उप सरपंच
अपील : समस्त ग्रामवासी 25 नवम्बर को बुथ पर जाकर अपना वोट जरूर दें।
ग्राम पंचायत केलवा, पंचायत समिति-राजसमंद

मर्यादा

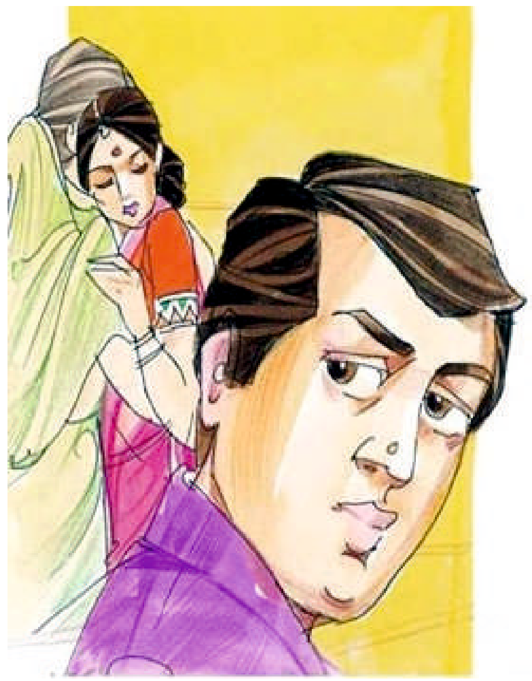

“उठो, फोन आया है !”

‘इतनी सुबह 5 बजे किसका फोन है यार ?‘ नींद में बड़बड़ाते हुए अभिनव ने पूछा।

जवाब में सौम्या ने कहा ‘मेरे भैया का !‘

अभिनव के हैलो कहते ही उधर से आवाज आई, ‘मैं सुभाष बोल रहा हूं और आज सौम्या को ले जाने आ रहा हूं।”

‘अरे ! अचानक से सौम्या की विदाई ?‘

हां, रोज-रोज तुम लोगों में जो कहा-सुनी, गाली-गलौज और मारपीट जैसी वारदातें हो रही, उस कारण मैं कुछ दिनों के लिए सौम्या को साथ ले जाऊंगा !

सुभाष के इतना कहते ही अभिनव ने आश्चर्यचकित होकर आवेश में आकर कहा - ‘भैया ! पहले सौम्या ने मेरे घरवालों से ऊंची आवाज में बात करी। उन्हें बोला कि उसे उन लोगों की सेवा करने, उनके लिए खाना बनाने, कपड़े धुलने में तकलीफ होती है। सौम्या ने मेरे बीमार पेरेंट्स संग अमर्यादित व्यवहार किया, तब मैंने भी गाली गलौज किया।”

अभिनव की बात बीच में ही काटते हुए सुभाष ने कहा - ‘अरे तुमने तो अपनी मर्यादा तोड़ दी है। इसीलिए तुमसे बात करना बेकार है। मैं आज आऊंगा और सौम्या को ले जाऊंगा..... !‘

सुभाष को बीच में रोकते हुए अभिनव ने पूछा - ‘सौम्या के विदाई संबंधित निर्णय लेने का अधिकार किसे है ? मुझे है या मेरे मम्मी-पापा (सौम्या के सास-ससुर) को हैं या आपको ?‘

जवाब में सुभाष ने कहा- ‘सौम्या के विदाई का निर्णय लेने का अधिकार सिर्फ मेरा है, मैं उसका मालिक हूँ।”

इतना सुनते ही अभिनव ने जवाब दिया- ‘सौम्या अपने नाम से विपरीत मेरे परिवार संग आचरण करती है, पर मेरा गाली-गलौज देना मर्यादा तोड़ना लगता है आपको ! पर उसका क्या भैया, जो परसों के दिन सौम्या ने (मुझ पर अपने पति पर) हाथ उठा दिया, क्या ये मर्यादा के अंदर है ?‘

इसके बाद फोन पर दोनों तरफ सन्नाटा छा गया और अभिनव ने मर्यादा जैसे एक तरफा शब्द पर गहरी सांस लेते हुए फोन रख दिया और ऑफिस के लिए तैयार होने चला गया।

अंकुर सिंह
हरदासीपुर, जौनपुर (यूपी) 222129
मो. 8367782654
ईमेल -ankur3ab@gmail.com

समस्त जिलेवासियों को दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

रामनारायण पालीवाल
अध्यक्ष-पर्यावरण विकास संस्था

गौरवसिंह राठौड़
अध्यक्ष-मार्बल माइंस ऑनर्स एसो.

पर्यावरण विकास संस्था एवं सदस्यगण
मार्बल माइंस ऑनर्स एसोसिएशन
एवं समस्त सदस्यगण-राजसमंद

दीपोत्सव जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
HAPPY Diwali
रतनी देवी चौधरी
जिला प्रमुख
माधवलाल चौधरी
भाजपा नेता
जिला परिषद सदस्य, जिला, परिषद राजसमंद

शुभ दीपावली
देवीलाल सिंधल
देवीलाल सिंधल, हेमराज सिंधल,
भोलीराम सिंधल, हीरालाल सिंधल,
नरोतम सिंधल, रमेश सिंधल
किसान ग्रुप, केलवा (राजसमंद)

दीपावली की हार्दिक
बधाई एवं शुभकामनाएं
हरिसिंह राठौड़
कांग्रेस जिलाध्यक्ष, राजसमंद
कालका ग्रुप, केलवा (राजसमंद)

दीपोत्सव की
हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं
लक्ष्मण गुर्जर
अध्यक्ष
लक्ष्मण गुर्जर
कोषाध्यक्ष
द खण्डा क्रेजी, ट्रक ट्रेलर एसोसिएशन, केलवा

शुभ
दीपावली
अंजुम शेख
कॉन्ट्रेक्टर्स, उदयपुर

Roop Rajat
Purity for yours Healthy Life...
Dallya
Maida
Besan
Sooji
Expert Quality
Roop Rajat
Quality Assured 100%
ISO 9001:2015 Certified
Contact For Distributors : 9602230531/9414173532

दीपोत्सव के
पावन पर्व पर
समस्त व्यापारीगणों के साथ आमजन
को हार्दिक बधाई एवं मंगल शुभकामनाएं
कमल खंडेलवाल
अध्यक्ष
जिला खाद्यान्न व्यापार संघ
राजसमंद
मो. 96022-30531
Ashoka Food Industries
Address :NH 8 Miyari Village Kelwa 9602230531, 9414173532

शुभ दीपावली
विनोद सामर
चेयरमैन
ग्राम सेवा सहकारी समिति, पनोतिया

जयवर्द्धन NEWS

जयवर्द्धन

C/O जयवर्द्धन न्यूज, नाकोड़ा कॉम्प्लेक्स, द्वितीय मंजिल,
सौ फीट रोड, राजसमंद मो. 96729-80901

To

YouTube jaivardhannews jaivardhannews.com liverajsamand जयवर्द्धन